ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

22-06-2024

अभी हर कर्म खुशियों में नाचते गाते हुए करो। जैसे स्थूल डांस में सारे शरीर की ड्रिल हो जाती है। भिन्न-भिन्न पोज़ से डांस करते हैं। ऐसे खुशी के डांस में भिन्न-भिन्न कर्मों के पोज़ करो। कभी हाथ से कोई कर्म करते, कभी पांव से... तो यह काम नहीं करते हो लेकिन भिन्न-भिन्न डांस के पोज़ करते हो। तो कर्मयोगी बनना अर्थात् भिन्न-भिन्न प्रकार की खुशी में नाचना।

Be a karma yogi.

Now, perform every action with happiness while dancing. When dancing physically, your whole body is exercised. You dance using different poses. In the same way, in the dance of happiness, have the poses of different actions. Sometimes, perform actions with your hands, sometimes with your feet... so this is not doing work, but you are having different poses of the dance. So, to be a karma yogi means to dance with happiness in different ways.